श्री लालू प्रसाद: चैक कर लीजिए, नहीं देते हैं ।

श्रीमती सुषमा स्वराज: आप राबड़ी देवी जी से पूछिए, वे आपको पूरा बताती नहीं हैं ।

श्री सभापति: इतना तो मैं भी कहना चाहूंगा कि जनता में जो इंप्रेशन जा रहा है...(**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज: जी, वह गलत जा रहा है ।

श्री सभापति: वह इंप्रेशन ठीक नहीं हैं, उसको दुरुस्त करना चाहिए ।

श्रीमती सुषमा स्वराज: आज मेरे जवाब के बाद वह ठीक हो जाएगा।

श्री सभापति: ठीक है ।

श्री कुलदीप नैयर: महोदय, मैं इसी बात पर यह कहना चाहता हूं कि जैसी बात यहां हुई, उस से यह गलत अंदाजा लगाया जाएगा । बहुत अच्छे एन. जी. ओज. भी हैं और वे अच्छा काम करते हैं । इसलिए यह कहना कि सभी एन. जी. ओज. करोड़ों रुपये खा रहे है, यह ठीक नहीं हैं ।

श्री सभापति: सबके लिए नही कहा लेकिन जो भी खराबी करता है, उसका जो प्रचार होता है, उसके काम से इस प्रकार की भ्रांतियां पैदा होती हैं ।

श्रीमती सुषमा स्वराज: आज यह प्रचार खत्म हो जाएगा ।

Upgradation of Doordarshan Kendra in Karnataka

*602. SHRI K.B. KRISHNA MURTHY : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a.) the number of Doordarshan Kendra in Karnataka which have been upgraded or expanded during the years 2001 -2002 and 2002-2003; and

(b) the Doordarshan Kendra in Karnataka identified for upgradation and expansion during the year 2003-2004 ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI RAVI SHANKAR PRASAD): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Doordarshan Kendras in Karnataka upgraded/expanded during 2001-2002 and 2002-2003 are as under :—

Bangalore	—Programme production facilities at Kendra augmented.
Gulbarga	—Programme production facilities at Kendra augmented. Additional High Power Transmitter for relay of DD2 programme commissioned.

Mysore —DD1 and DD2 LPTs upgraded to HPTs.

Mangalore —DD 1 LPT upgraded to HPT.

Dharwad —DD2 LPT upgraded to HPT.

During 2003-2004, LPT at Raichur would be upgraded to HPT and satellite uplink at Doordarshan Kendra, Bangalore would be made digital.

SHRI KB. KRISHNAMURTHY : Sir, without admitting the resource crunch, the hon. Minister has mentioned that only four out of the 52 low-power transmitters were upgraded in Karnataka. The (a) part of my question is: I would like to know, at this rate, how far the Prasar Bharati will be made professional in generating surplus funds for modernisation and upgradation of DD centres? The (b) part is, why is the Government burdening itself with allocation of more transmission time for themes of social welfare, health care, adult education, literacy, family planning, etc., leaving little scope for airing commercial programmes to bring in more revenue through advertisements, like private channels? Part (c) of my question is, why should not the Government impose on all private TV channels, a minimum stipulated transmission time for the coverage of social welfare programmes and for rural coverage?

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, as far as the first part of his question is concerned, the Prasar Bharti has conveyed to us that they are already engaged in the whole process of expansion and development of the existing Doordarshan facility in the country. As a part of the Tenth Five Year Plan, a big amount of Rs. 319 crore has been earmarked only for the development of the programme content and an amount of Rs. 100 crore has been earmarked for upgradation of studio facility, new equipment, etc. Out of these, in Karnataka alone, approximately an amount of Rs. 25 crore is going to be expended on improvement of the content programme facility and about Rs. 10-11 crore are going to be spent on upgradation of studio equipment. As far as your two interlinked 'b' and 'c' parts of the question are concerned, as a public broadcaster, Doordarshan Prasar Bharti Radio have a commitment and the commitment is that they shall not join the naked race for commerce and revenue only; they shall emphasise upon the public character which is enjoyed by the Prasar Bharti Act. Yes, your point is very well taken that we need to improve the social content further. We are doing health programme, education programme, etc. We have held the Gyan Darshan programme. All these are going on. In addition to that, even at the local level, the regional channels are supplementing. Therefore, this is an ongoing process. Yes, as a Minister in the Government of India, we are only urging upon them the need to become more professional and competitive.

SHRI KB. KRISHNA MURTHY : Sir, there was a proposal to license private operators to set up and operate short range frequency radio transmission centres in rural remote areas with thematic and administrative control of the Government. Sir, I would like to know from the hon. Minister how far this proposal is going to bridge the gap and what is the response of the private operators to this proposal.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD : Sir, as tar as involvement of private players in the radio revolution is concerned, we have already an FM channel which is going quite well. The first phase has had certain hiccups, but they are picking up. All the channels have been open. In addition to that, we always feel that radio, as a tool of education and as a weapon of knowledge expansion, has to play a very crucial role. Therefore, we have come up with a concept of 'community radio] wherein an educational institution, recommended by the State Government or the Government of India, can apply for 'community radio' in the local set-up. This is an ongoing process. On behalf of the Government, I wish to assure the hon. Member that we are quite committed to usher in a radio revolution in the country.

श्री लालू प्रसाद: सभापति महोदय, आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आप बिहार से आते हैं । ...(**व्यवधान**)... हां, मुझे पता है कि प्रश्न कर्नाटक से संबंधित हैं । लेकिन यह दूरदर्शन से संबंधित हैं । ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम गुप्ता: सर, प्रश्न दूरदर्शन से संबंधित हैं । दूरदर्शन केवल कर्नाटक का ही नही हैं, पूरे देश का है ।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बालेने दीजिए ।

श्री लालू प्रसाद: सभापति महोदय, मैं दूरदर्शन की बात कर रहा हूं । एक ही जगह से बात चलती है और वह सब जगह पर जाती हैं । यह बात तो हो गई कि ये क्या कर रहे हैं और क्या नहीं कर रहे हैं ?

सभापति महोदय, प्रधान मंत्री जी ने इनको इसलिए मंत्री बनाया था कि ये प्रधान मंत्री जी का संदेश, भाषण वगैरह दूरदर्शन पर सुनवायेंगे । आप इस बात की जांच करवा लीजिए । सभापति महोदय, जब से ये मंत्री बने हैं तब से पटना का दूरदर्शन नही रहा है, वह अब रविदर्शन हो गया है । मैं पूरी जिम्मेदारी से बोलता हूं कि गांव गंवई के 25 लाख लोग भाजपा भगाओ, देश बचाओ रैली में आये थे । लाठी के साथ आये थे । सारे देश के प्राईवेट चैनल्स ने रेली को डायरेक्ट दिखाया । उस रैली में हमारे राज्य बिहार के लोग आये थे, गांव गंवई के लोग आये थे । इन्होंने कह दिया कि

अपराधी लोग आए थे। दूरदर्शन पर रैली की एक लाइन भी नहीं दिखाई। यह कहा गया कि टेक्नीकल कारण से हम रैली को नही दिखा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... महोदय, बिहार से आकर के आप टेक्नीकलिटी की बात करते है, आपके खिलाफ यह मूवमेंट था। आप मंगा लीजिए। महोदय, यदि वह बात गलत होगी तो आप जो चाहे सजा दे दीजिए। ये पटना जाते हैं। इन्होंने वहां के अफसरों को इतना टेरोराइज़ किया हैं, हवाई अड्डा से लेकर पूरे पटना तक को टेलीकास्ट दूरदर्शन पर हुआ है। यह रविदर्शन हो गया है।

श्री सभापति: चलिए, चलिए।

श्री लालू प्रसाद: इसकी जांच करवाई जाये, इनको सख्त सजा दी जानी चाहिए, इनको हटाया जाना चाहिए। जो मंत्री वहां जाकर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। मिसयूज आफ पावर, मिसयूज आफ दूरदर्शन कर रहे हैं। यह देश का नेशनल चैनल हैं। इसमें सबकी भागेदारी है। यह केवल इनका नही है। एक-एक आदमी का उसमें पैसा और कंट्रीब्युशन है। यह बताइये कि यह बात सही है कि नहीं है ? अफसरों से हमने पूछा, कहा गया कि ऊपर से आर्डर हैं। ऊपर से आदेश है कि टैक्नीकल खराबी दिखाकर बंद कर दी। यह हाइली ऑब्जैक्शनेबल है। हम काफी दुखी हैं इस बात को लेकर।" (**व्यवधान**) "

श्री रवि शंकर प्रसाद: महोदय, मुझे उत्तर देने दिया जाए। यह प्रश्न कर्नाटक का था लेकिन सम्माननीय लालू प्रसाद जी ने बिहार का प्रश्न पूछा। मेरे ऊपर व्यक्तिगत आरोप लगाए हैं।

श्री लालू प्रसाद: यह तो फैक्ट हैं। यह आरोप हैं ?

श्री रवि शंकर प्रसाद: इसलिए मुझे उत्तर देने का मौका दिया जाए। मैं आपको दो फैक्चुअल करैक्शन कर दूं। इनकी रैली लेट तक चली, मैंने स्वयं मालूम किया। पटना का जो समाचार हिन्दी का दूरदर्शन पर आ रहा था, अंतिम के चार मिनट इनकी रैली और फोटोग्राफ दिखाए गए। आरम्भ में पूरी इनकी रैली की उदघोषणा की गयी। उसके बाद उर्दू का समाचार आता है।

श्री सभापति: जो फोटोग्राफ दिखाया गया, उसमें पति- पत्नी दोनों थे कि नहीं ?

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर, दोनों को दिखाया गया था।" (**व्यवधान**) "

श्री लालू प्रसाद: ये क्या दिखाएंगे ? हम लोग साक्षात हाजिर हैं। "(**व्यवधान**)" ये क्या दिखाएंगे ? "(**व्यवधान**)"

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर, मुझे पूरा बोलने दिया जाए। उसके बाद उर्दू का समाचार आता है। उसमें पूरा हैडलाइन इनका था। इनका आरोप बिल्कुल गलत है, मैं कोई इंटरफियरेंस नहीं

करता हूं । रवि-दर्शन की बात गलत है । जहां तक दुरुपयोग की बात है, बिहार में किसने क्या दुरुपयोग किया है "(**व्यवधान**)"

श्री सभापति: आप उसे छोड़िए । उस पर मत जाइए । "(**व्यवधान**)"

श्री रवि शंकर प्रसाद: मामला हो गया है । इनको सदन के पटल पर इतनी हल्की बात नहीं करनी चाहिए। "(**व्यवधान**)"

श्री सभापति: बस हो गया । श्रीमती बिम्बा रायकर ।

श्री लालू प्रसाद: ये हल्की बात है ? "(**व्यवधान**)" जाकर जांच कराओ । "(**व्यवधान**)" ये हल्की बात है ? ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: बिल्कुल नहीं । यह बिल्कुल गलत बात है । "(**व्यवधान**)"

श्री सभापति: लालू जी, आप बैठिए । (**व्यवधान**)"

श्री लालू प्रसाद: हल्की बात तुम करते हो । " (**व्यवधान**)" मंत्री जाकर गलत बयान करते हैं । " (**व्यवधान**)"बड़े इंटलैक्चुअल हो गये हैं ।"(**व्यवधान**)" मैंबर पार्लियामेंट को यह हल्की बात बोलते हैं । " (**व्यवधान**)" हैसियत की बात करों । "(**व्यवधान**)" तुम कौन हो ?

श्री सभापति: श्रीमती बिमबा रायकर । " (**व्यवधान**)"

श्री रवि शंकर प्रसाद: हैसियत की बात मत करिए । हैसियत की बात आप मत करिए ।"(**व्यवधान**)" मुझे भी करनी आती है ।"(**व्यवधान**)"

श्री लालू प्रसाद: बिहार के लोग "(व्यवधान)

श्री रवि शंकर प्रसाद: इतनी हल्की बात मत करिए । मुझे भी जवाब देना आता है ।"(व्यवधान)" इस तरह की हल्की बात मत करिए । "(व्यवधान)"

श्री लालू प्रसाद: त्रिशूल बंटवा रहे हो, तलवार बंटवा रहे हो । "(व्यवधान)" दो दिन हुए मंत्री बने और बड़े काबिल बन रहे हो । "(व्यवधान)"

श्री सभापति: अब बैठ जाइए । "(व्यवधान)"

श्री रवि शंकर प्रसाद: मेरी काबलियत की परीक्षा देश के लोग लेंगे । हमें लालू जी की परीक्षा नहीं चाहिए । "(व्यवधान)" देश के लोग तय करेंगे कि काबिल हूँ या नहीं "(व्यवधान)" प्रधानमंत्री करेंगे "(व्यवधान)"

श्री लालू प्रसाद: बड़े काबिल बने हो । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: लालू जी बैठिए । श्रीमती बिम्बा रायकर...(**व्यधान**).

लालू प्रसाद: सारी पोल खोलकर रख दूंगा । ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : इस तरह की बात आप करेंगे तों... (**व्यवधान**)...

श्री सभापति : ठीक है, अब हो गया । ...(**व्यवधान**)...

[x] SHRIMATI BIMBA RAIKAR : Sir, now they are having programme production centres only in Bangalore and Gulbarga. I would like to know from the hon. Minister whether he would consider setting up of programme production centres at Mangalore and Dharwad because there are different cultures and different languages.

MR. CHAIRMAN : You put your question. Let him reply.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, as far as this specific query regarding Mangalore and Dharwad is concerned, I will get the matter examined.

MR CHAIRMAN : Next question, Q. No. 603.

SHRIMATI BIMBA RAIKAR: Sir, I have put only part of my question.

MR. CHAIRMAN: Next question, Q. No. 603.

* 603 [The questioner (Shri Ekanath K. Thakpur) was absent, for answer *vide* page infra 35-36.]

Health care cost

*604. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a.) whether the escalating health care cost is causing indebtedness among rural poor;

(b) if so, the magnitude of increase in the health care cost during the last decade, and

(c) how Government propose to ensure that the poorer segments of the population are able to access health services required by them at reasonable cost?

THE MINISTEROF STATE INTHE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI A. RAJA): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Different studfes and surveys indicate that escalating health care costs is one of the reasons for indebtedness, especially among the rural poor.